इलेक्ट्रानिकी के क्षेत्र में अनुसंधान तथा विकास

1439. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कम्प्यूटर तथा सोफ्टवेयर के क्षेत्र में अनुसंधान तथा विकास हेतु क्या-क्या प्रयास किए जा रहे हैं ; और

(ख) इस संबंध में अब तक क्या उपलब्धि रही है और क्या भारत ने इस क्षेत्र में अन्य देशों से मुकाबला करने के लिए क्षमता विकसित कर ली है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, इलैक्ट्रानिकी विभाग और महासागर विकास विभाग में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रंगराजन) कुमारमंगलम) : (क) और (ख) कम्प्यूटर तथा साफ्टवेयर के क्षेत्र में विकास-कार्य के लिए उच्च प्रौद्योगिकी की कई परियोजनाएं आरम्भ की गई हैं । प्रमुख परियोजनाओं तथा उनके लक्ष्यों के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं ;

(i) भारतीय भाषाओं में प्रौद्योगिकी विकास (टीडीआईएल) ।

मानव मशीन सम्पर्क तथा भारतीय भाषाओं में सूचना संसाधन की सुविधा प्रदान करने की दृष्टि से सूचना प्रौद्योगिकी साधनों का विकास ।

भाषा अध्ययन तथा अनुसंधान के लिए सूचना प्रौद्योगिकी साधनों के प्रयोग को बढ़ावा देना ।

(ii) ज्ञान पर आधारित कम्प्यूटर प्रणालियां (केबीसीएस) :

कृत्रिम बुद्धि तथा ज्ञान पर आधारित कम्प्यूटर प्रणालियों के क्षेत्र में विशेषज्ञता का विकास ।

(iii) बृहत समानांतर संसाधन सूपर कम्प्यूटर्स का डिजाइन तथा सिकास ।

(iv) आंकड़ा बैंक, बफिक्स, नेटवर्किंग आदि के क्षेत्रों से साफ्टवेयर/साफ्टवेयर साधनों का विकास ।

(v) नगर आयोजना के लिए कम्प्यूटर साधित उपयोगिता मेपिंग प्रणाली ।

(vi) बहु-मीडिया कोर्सवेयर का विकास ।

(vii) दूरदर्शन की इन्टेक्स्ट सेवा के लिए टेलीमीटेक्स साफ्टवेयर ।

(viii) सुरक्षित बड़े पैमाने की लचीली परीक्षाओं का आयोजन करने के लिए कम्प्यूटर साधित पेपर रहीत परीक्षा प्रणाली (सीएपीईएस) ।

ये परियोजनाएं इस समय चल रही हैं तथा इनसे प्राप्त होने वाले परिणाम संबंधित क्षेत्रों में अन्तर्राष्ट्रीय मापदण्डों के समतुल्य होने की आशा की जाती हैं ।

Utilisation of national Renewal Fund for creation of new job opportunities

@1440. SHRI VIREN J. SHAH:

DR. JINENDRA KUMAR JAIN:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that National Renewal Fund was constituted by Government last year and a decision to this effect was taken that a part of this fund will be utilised for creating new job opportunities for the labourers of the country seeking voluntary retirement;

(b) whether it is also a fact that Rs. 830 crores was spent from this fund in 1992-93;

(c) if so, the amount of money spent from the aforesaid fund for creating new job opportunities alongwith the

@Previously Unstarred Question 51, transferred from the 26th July, 1993.

number of new job opportunities created as a result thereof; and

(d) the amount of fund earmarked for the purpose alongwith the target fixed for the creation of job opportunities in the current year; 1993-94?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF HEAVY INDUSTRY) (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) to (d) The National Renewal Fund (NRF) was set up in February, 1992 to provide a social safety net to the labour affected by technology upgradation and modernisation of Indian Industry. The national Renewal Fund has the following components:

(i) National Renewal Grant Fund:

This will inter-alia, provide assistance for payment of compensation to Employees affected by industrial restructuring and for their retraining, counselling and re-development.

(ii) Employment Generation Fund:

This will provide resources for employment generation in both the organised and unorganised sectors.

In the first instance, assistance from National Renewal Fund has been provided for implementation of Voluntary Retirement Scheme (VRS) of Central Public Sector Undertakings. A provision of Rs. 829.66 crores in the year 1992-93 (Revised Estimates) and Rs. 700 crores in the year 1993-94 (Budget Estimates) had been made for the purpose. This amount includes provision for interim liquidity requirements of textile industry in the Public Sector as well.

Sale of shares of Hindustan Zinc Limited

@@1441. SHRI MENTAY PADMANABHAM: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the number of shares of Hindustan Zinc Limited offered for sale under the recent Public Sector Undertaking disinvestment scheme;

(b) the details of the brokers for this sale; and

(c) what amount was realised from the sale of these shares?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF HEAVY INDUSTRY) (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) to (c) During 1992-93, Government offered 605.98 lakh shares of Hindustan Zinc Limited in three tranches for sale. A sum of Rs. 81.55 crores was realised in three tranches through sale of 209.74 lakh shares. The sale was effected by inviting bids directly from Financial Institutions Mutual Funds, Banks, Institutions, Individuals, Registered Brokers etc, who are permitted to buy, hold and sell shares in India.

खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग द्वारा कम्बलों की सप्लाई

1442. **श्रीमती कमला सिन्हा :**
श्री कृष्ण लाल शर्मा :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि खादी ग्रामोद्योग द्वारा सेना में सप्लाई किये गये पांच लाख ऊनी कम्बल ऊनी खादी की न होकर मिलों के बने हुए थे ; और

(ख) यदि हां, तो क्या इस मामले की जांच की गई है और इस कुप्रबंध के जिम्मेदार व्यक्तियों के नाम क्या हैं तथा उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की जा रही है ?

@@Previously Unstarred Question 764, transferred from 30th July, 1993.